INTRODUCTION TO LANGUAGE

VICTORIA FROMKIN

CHAPTER 3 –MORPHOLOGY

HINDI TRANSLATION

MATERIAL PREPARED FOR NMRC, JNU & EKLAVYA BHOPAL BILINGUAL PROJECT

BY

INDRANI ROY

APRIL 2012

MORPHOLOGY (BASIC IDEAS)

The material presented here is from Fromkin's **An Introduction to Language** Chapter 3 – Morphology. The specific portions used are –

The first 3 paragraphs of the chapter and portions from the section – Morphemes: The minimal units of meaning.

****

आजकल भाषा समझने वाले कम्प्यूटर आ गये हैं. ऐसे कम्प्यूटर को अगर आप कहें – "नया फाइल खोलिये" तो नया फाइल खुल जायेगा. इस वाक्य को समझने के लिये सबसे पहले कम्प्यूटर में शब्दों की सूची होनी चाहिये और इस सूची में ये शब्द – *नया*, *फाइल*, *खोलिये* मौजूद होना चाहिये. बिना इस सूची के कम्प्यूटर कुछ भी समझ नहीं पायेगा. हमारे दिमाग में भी कुछ ऐसी ही शब्दों की सूची या शब्दों का कोश है.

इन उदाहरणों को देखिये और इसमें से शब्द निकालने की कोशिश कीजिये –

madeinindiabyfrankeducationalcompany

कुछतोलोगकहेंगेलोगोंकाकामहैकहना

आमारपरानजाहाचाय

निदग्गरडब्बूलेदा

पहले दो उदाहरण आप समझ गये होंगे एवं अलग–अलग शब्द पहचान लिया होगा, पर तीसरा एवं चौथा उदाहरण शायद आप नहीं समझ पाये होंगे. जिस उदाहरण से आपने शब्द पहचाने होंगे वे शब्द आपके दिमाग़ में पहले से मौजूद हैं इसलिये आप इन शब्दों को पहचान पाये. हमारे दिमाग में जितने शब्द है उसे हमारा mental lexicon कहा जाता है.

एक छह साल का बच्चा करीब 16000 शब्द जानता है. mental lexicon सिर्फ हमारे दिमाग में बसे शब्दों की सूची ही नहीं है इसमें शब्दों के बारे में दूसरी सूचनायें भी होती है. जैसे कि शब्द का अर्थ क्या है, उसका उच्चारण कैसे किया जाता है, जो लोग लिखना जानते हैं उनके mental lexicon में कोई शब्द कैसे लिखा जाता है ये सूचना भी होती है. कोई शब्द संज्ञा है या विशेषण ये सब हमें स्कूल में सिखाया जाता है. पर इन सब बातों को बिना जाने ही छोटे–छोटे बच्चे सही जगह सही शब्द इस्तेमाल करना सीख जाते हैं. ये इसलिये क्योंकि ये सब बातें, कौनसा शब्द क्रिया, संज्ञा या विशेषण है ये हमारे mental lexicon में मौजूद है.

भाषा–विज्ञान में शब्द और उसके संरचना के अध्ययन को **मॉर्फोलोजी** कहा जाता है. मॉर्फोलॉजी शब्द का अर्थ है आकृति का अध्ययन. इस शब्द के दो भाग है – **मॉर्फ** जिसका अर्थ है आकृति और **ओलोजी** जिसका अर्थ है विज्ञान अथवा किसी विषय सम्बन्धी ज्ञान. इस शब्द का प्रयोग वैसे तो जीव विज्ञान में किया जाता था परन्तु उन्नीसवी शताब्दी के बीच से इस शब्द का प्रयोग भाषा–विज्ञान में भी किया जाने लगा. भाषा–विज्ञान में मॉर्फोलॉजी के तहत छोटे इकाइयों से शब्द बनने की विभिन्न प्रक्रियाओं का अध्ययन किया जाता है. भाषा–विज्ञान के अन्य क्षेत्रों के तरह ही मॉर्फोलॉजी में भी भाषा–विज्ञान के मूल सिद्धान्त काम करते हैं. जैसे कि **नियमबद्धता**, **सृजनात्मकता** और **discreteness.**

नियमबद्धता

बातचीत करना हमारे लिये इतना ही आसान है, कि हमें ये कभी महसूस ही नहीं होता कि हमारे बोलने या हमारे भाषा के पीछे कई कठिन नियम काम कर रहे हैं. शब्द संरचना को ही ले लीजिये. जब हम छोटे शब्दों में इकाइयां जोड़कर बड़े शब्द बनाते हैं तो ऐसा नहीं है कि कहीं भी कुछ भी जोड़ देते हैं. हर इकाई का जुड़ने का एक सही जगह होता है. पुल्लिंग शब्द से स्त्रीलिंग बनाने के नियम को ही लीजिये – *ग्वाला* शब्द में हम इन जोड़कर *ग्वालिन* बनाते है, या *मालिक* से *मालकिन* बनाते हैं तो *इन* को हमेशा अन्त में ही जुड़ना पड़ता है. शब्द के बीच में या शुरू में हम *इन* नहीं जोड़ सकते. इसी तरह *अ* जोड़कर विलोम शब्द बनाने के लिये हमें शब्द के शुरु में ही *अ* जोड़ना पड़ेगा जैसे – *परिचित* से *अपरिचित.*

शब्द संरचना में इकाइयों के जुड़ने का भी एक क्रम होता है. इस शब्द को देखिये –– *बेसुरापन*. इस शब्द में चार इकाई हैं – *बे*, *सुर*, *आ*, *पन*. *सुर* शब्द में बाकी इकाई जुड़ें हैं. पहले *बे*, फिर *आ* और फिर *पन*. अगर किसी और क्रम से हम जोड़ने की कोशिश करें तो *सुरा*, *सुरापन*, *सुरपन*, *बेसुरपन* इस तरह के गलत शब्द बनेंगे.

Discreteness

भाषा में छोटे इकाइयां जुड़कर बड़े इकाई बनते हैं. ध्वनि से मॉर्फीम, मॉर्फीम से शब्द और शब्द से वाक्य. जब हम किसी शब्द को छोटे इकाईयों में बांटते है जैसे कि *सुहासिनी* इस शब्द को हम – *सु*, *हास*, *इनी* इस तरह भाग करते हैं तो हमें भाषा के इस सिद्धान्त का निदर्शन मिलता है कि छोटे इकाइयों से बड़े इकाई बनते हैं.

सृजनात्मकता

हमारे बात करने की क्षमता हमारे सृजनात्मकता को दर्शाता है. हम हर रोज़ नये वाक्यों की रचना करते हैं और नये वाक्य सुनते–समझते हैं. इसी तरह हम नये शब्द भी सीखते और समझते हैं. जब आप rewriteable CD शब्द सुनते हैं तो आप ये समझ जाते है कि ये उस तरह का CD है जिसमें एक से ज़्यादा बार कुछ डाला जा सकता है. आप ये इसलिये जानते हैं क्योंकि आप को re, write, able इन तीनों इकाईयों का अर्थ मालूम है. छोटे इकाइयों को जोड़कर हम नये शब्द बना सकते हैं, ऐसे शब्द जो दूसरों की समझ में आये, ये इंसानी भाषा का सृजनात्मक पहलू है.

****

अभ्यास

(फ्रॉमकिन – 3 अध्याय, अभ्यास 1)

1. अपने mental lexicon की शब्द संख्या जानिये ––

क) कोई भी हिन्दी शब्दकोश लीजिये. किसी एक पन्ने में दिये गये प्रविष्टियां गिनिये.

ख) इस प्रविष्टि संख्या के साथ शब्दकोश के पृष्ठ संख्या की गुणा कीजिये.

ग) शब्दकोश में से कोई भी चार पन्ने चुनिये, मान लीजिये कि आपने 29, 34, 87, 93, चुने. इन पन्नों की प्रविष्टियों को गिनिये.

घ) आप इनमें से कितने शब्द जानते हैं?

ङ) आप इन चार पन्नों में कितने प्रतिशत शब्द जानते हैं?

च) शब्दकोश की शब्द संख्या (जो आपको (ख) से मिला है), और जो प्रतिशत आपको (ङ) से मिला है, इन दोनों को गुणा कीजिया. जो फल आपको मिला है आप उतने शब्द हिन्दी के जानते है? ये आपका mental lexicon है.

*****